## अभंग ६७

(राग: भूप जिल्हा - ताल: त्रिताल)

गांजिलासे मल्ल धर्मपुत्र साती। म्हणुनि महिपती अवतार हा।।१।। वधोनिया मल्ल बहुत प्रचंड। राहिला मार्तंड प्रेमपुरी।।२।। दीना माणिकासी आनंद जाहला। कैलासीचा आला शंभु येथें।।३।।